नई सोच, नई पहल

MPHIN31130

पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय साप्ताहिक समाचार पत्र

ग्वालियर|| वर्ष : 01 अंक: 29 | ग्वालियर मंगलवार, 25 जुलाई से 31 जुलाई 2017 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रु.

देश के 14वें राष्ट्रपति बने रामनाथ कोविंद

नई दिल्ली

रामनाथ कोविंद ने मंगलवार को देश के 14वें राष्ट्रपति के तौर पर शपथ ग्रहण किया। चीफ जस्टिस जेएस खेहर ने कोविंद को शपथ दिलाई। शपथ के बाद प्रणव और कोविंद ने कुर्सियां बदलीं। इसके बाद, 21 तोपों की सलामी दी गई। शपथ ग्रहण में पीएम नरेंद्र मोदी, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी समेत कई बड़ी राजनीतिक हस्तियां मौजूद थीं। शपथ ग्रहण के वक्त मंच पर कोविंद और प्रणव के अलावा खेहर, उप राष्ट्रपति हामिद अंसारी, स्पीकर सुमित्रा महाजन भी मौजूद रहे। पीएम मोदी मंच के सामने सांसदों और अन्य मेहमानों के साथ सामने की कतार में बैठे थे। मोदी के साथ पूर्व पीएम देवगौड़ा, मनमोहन सिंह के अलावा सोनिया गांधी, नितिन गडकरी बैठे थे।

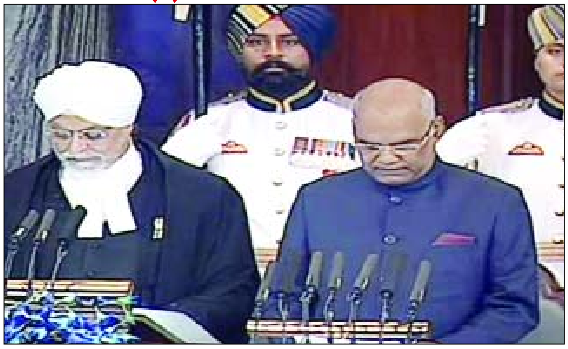

शपथ ग्रहण के बाद सेंट्रल हॉल में नए राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का भाषण हुआ। कोविंद ने अपनी स्पीच हिंदी में दी। कोविंद ने राष्ट्रपति पद का दायित्व सौंपे जाने के लिए सभी को धन्यवाद दिया।

उन्होंने कहा कि सेंट्रल हॉल में आने के बाद उनकी पुरानी यादें ताजा हो गईं। कोविंद ने अपनी शुरुआती जिंदगी और चुनौतियों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वह मिट्टी के घरों में पले हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण में आम लोगों के सहयोग की भी जरूरत है। कोविंद ने कहा कि खेतों में काम करने वाली महिलाएं, किसान, वैज्ञानिक, स्टार्टअप कारोबारी से लेकर सुरक्षाबलों तक राष्ट्र निर्माता हैं।

बता दें कि प्रणव मुखर्जी कोविंद को काली लिमो कार में लेकर संसद भवन पहुंचे थे। कोविंद के सेंट्रल हॉल की ओर जाते हुए चीफ जस्टिस खेहर, स्पीकर सुमित्रा महाजन और उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी भी साथ थे। शपथग्रहण के बाद सुरक्षाबलों के काफिले के साथ प्रणव और कोविंद उसी कार से राष्ट्रपति भवन वापस लौटे। यहां कोविंद को सलामी दी गई। इसके साथ ही रामनाथ कोविंद को कार्यभार सौंपने के बाद प्रणव मुखर्जी 340 कमरों वाले राष्ट्रपति भवन से हटकर 10 राजाजी मार्ग स्थित एक बंगले में रहने के लिए चले गए।

सात अलगाववादी नेताओं को कोर्ट ने 18 दिन की रिमांड पर भेजा

श्रीनगर/नई दिल्ली = अलगाववादी नेता सैयद अली शाह गिलानी के दामाद अल्ताफ अहमद शाह सहित सात को मंगलवार को दिल?ली की पटियाला हाऊस कोर्ट में पेश किया गया. इन सभी को घाटी में अशांति फैलाने के लिए पाकिस्तान से फंड लेने के मामले में एनआईए ने गिरफ्तार किया है. अदालत ने सभी को 18 दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है. जिन अलगाववादी नेताओं की पेशी की गई उनमें अल्ताफ फंटूस, बिट्टा कराटे, नईम खान, शहीद उल इस्लाम, गाजी जावेद बाबा सहित दूसरे हुर्रियत नेता शामिल हैं. अल्ताफ हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के प्रमुख सैयद अली शाह गिलानी का दामाद है. उसे 'अल्ताफ फंटूश' के नाम से भी जाना जाता है. अभी तक वह जम्मू-कश्मीर पुलिस की हिरासत में था. पुलिस ने इस महीने के शुरू में ईद के तत्काल बाद उसे एहतियाती हिरासत में रखा था. अभियान से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि शाह के अलावा गिलानी के नजदीकी सहयोगियों तहरीके हुर्रियत के प्रवक्ता अयाज अकबर और पीर सैफुल्लाह को भी एनआईए ने घाटी से गिरफ्तार किया.

न्यूज ब्रीफ

प्रसिद्ध वैज्ञानिक और शिक्षाविद प्रोफेसर यशपाल का निधन

नई दिल्ली। प्रसिद्ध भारतीय वैज्ञानिक प्रोफेसर यशपाल का निधन हो गया है.

प्रोफेसर यशपाल लंबे समय से बीमार थे उनका निधन नोएडा में मंगलवार को हुआ. उन्हें 1976 में पद्मभूषण सम्मान मिला था और 2013 में पद्मविभूषण मिला था. प्रोफेसर यशपाल ने अपना करियर टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ़ फंडामेंटल रिसर्च से शुरू किया था. 1973 में सरकार ने उन्हें स्पेस एप्लीकेशन सेंटर का पहला डॉयरेक्टर नियुक्त किया गया. 1983-84 में वे प्लानिंग कमीशन के चीफ कंसल्टेंट भी रहे. 1986 से 1991 तक यूजीसी के चेयरमैन रहे थे।

मोदी के जेम्स बॉन्ड डोभाल से अब चीन को भी लगने लगा है डर!

नई दिल्ली

भारत और चीन के बीच बॉर्डर को लेकर चल रहा गतिरोध लगातार बढ़ता ही जा रहा है. चीन लगातार भारत को सिक्किम-भूटान बॉर्डर से अपनी सेना हटाने को कह रहा है, पर भारत भी सेना ना हटाने पर अड़ा है. इस बीच, बीजिंग में ब्रिक्स की एनएसए लेवल की मीटिंग होने वाली है. अब चीन ने देश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल पर निशाना साधा है. चीन ने आरोप लगाया है कि डोकलाम में सीमा विवाद के पीछे डोभाल का ही दिमाग है।

असम में आर्मी और पुलिस के ज्वाइंट ऑपरेशन में एक आतंकी ढेर

गुवाहाटी. (ए.)

असम के कोकराझार में मंगलवार सुबह आर्मी, लोकल पुलिस और आतंकियों के बीच एनकाउंटर हुआ। इस दौरान हुई फायरिंग में एक आतंकी मारा गया। मौके से एक,त्र 47 समेत भारी मात्रा में हथियार और गोलाबारूद बरामद हुआ है।

गुवाहाटी में एक डिफेंस स्पोक्सपर्सन ने बताया, इंटेलिजेंस इनपुट के आधार पर आर्मी और असम पुलिस ने कोकराझार में सोमवार रात एक ज्वाइंट ऑपरेशन शुरू किया था। मंगलवार सुबह करीब 6 बजे पेट्रोलिंग पार्टी पर फायरिंग की गई। जवानों ने भी जवाब दिया। इस दौरान एक आतंकी मारा गया। स्पोक्सपर्सन के मुताबिक मौके से एक,त्र 47 रायफल समेत अन्य हथियार और गोलाबारूद बरामद हुआ है।

कांग्रेस सांसदों के निलंबन के विरोध में विपक्ष एकजुट

नई दिल्ली। संसद का मानसून सत्र अभी तक हंगामेदार रहा है। सोमवार को स्पीकर पर कागज उछालने के लिए सुमित्रा महाजन ने 6 कांग्रेसी सांसदों को लोकसभा से सस्पेंड कर दिया था। अब मंगलवार को इसी मुद्दे पर दोनों सदनों का माहौल गरमाया हुआ है। लोकसभा को दोपहर तीन बजे तक के लिए स्थिगित कर दिया गया है।

सोमवार को मॉब लिंचिंग पर बहस की मांग करते हुए सुमित्रा महाजन की ओर कागज उछाले गए थे। सदन की शुरुआत से पहले विपक्ष के संसद के बाहर गांधी मूर्ति के बाहर विरोध प्रदर्शन किया।

संसदीय दल की बैठक में मोदी ने लगाई सांसदों की क्लास, कहा- अनुपस्थिति बर्दाश्त नहीं

नई दिल्ली। संसद का मानसून सत्र अभी तक हंगामेदार रहा है. सोमवार को स्पीकर पर कागज उछालने के लिए सुमित्रा महाजन ने 6 कांग्रेसी सांसदों को लोकसभा से सस्पेंड कर दिया था. अब मंगलवार को इसी मुद्दे पर दोनों सदनों का माहौल गरमा सकता है. सोमवार को मॉब लिंचिंग पर बहस की मांग करते हुए सुमित्रा महाजन की ओर कागज उछाले गए थे. सदन की शुरुआत से पहले विपक्ष ने संसद के बाहर गांधी मूर्ति के बाहर विरोध प्रदर्शन किया.

हालांकि अभी लोकसभा 3 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है. मंगलवार को ससंद का सत्र शुरू होने से पहले बीजेपी संसदीय दल की बैठक हुई, जिसमें पीएम मोदी भी हिस्सा लेने पहुंचे। वहीं विदेश मंत्री सुषमा स्वराज आज ही संसद में इराक में लापता 39 भारतीयों के मुद्दे पर अपना जवाब दे सकती हैं.

प्रशासनिक लीपापोती से रेतमाफियों की बल्ले-बल्ले

भिण्ड। भिण्ड पुलिस में पदस्थ टी.आई. पत्रकार और रेत माफिया की मिलीभगत का परिणाम है कि वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के आदेश की अनदेखी आसानी से देखी जा सकती है। जिलाधीश भिण्ड और पुलिस अधीक्षक एक ओर रेत माफिया पर लगाम कस रहे है वहीं रात के मौके पर कुछ कर्तव्यनिष्ठ पुलिस के छोटे अधिकारी रेत माफिया से हाथ मिलाकर कुछ लेन देन के एवज में अपनी ड्यूटी न निभाते हुए जेब भारी करने में लगे हुए हैं। सोसल मीडिया पर जो आडियो, वायरल हुआ है उसमें अब त्रिशंकु गठजोड का पर्दाफाश हुआ है इसमें पुलिस के कुछ छोटे अधिकारी कुछ मीडियाकर्मी व रेत माफिया की संयुक्त मेल जोल से रेत के अवैध उत्खनन से लेकर अवैध परिवहन को अंजाम दिया जा रहा है।

लेकिन जिला प्रशासन के ठोस कदम के आगे रेत उत्खनन में संलिप्त तिकड़ी को मुंह की खानी पड़ी। भिण्ड जिले में जिलाधीश के आदेश की अवहेलना स्थानीय स्तर पर तैनात पुलिस कर्मी ही करेंगे तो फिर आम आदमी का प्रशासनिक व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह उठाना लाजमी है। भिण्ड कलेक्टर अपनी सहज उपलब्धता और सतर्कता के लिए जनमानस के दिल में जगह बना चुके है और उनका भरपूर सहयोग जिला पुलिस अधीक्षक देते है परन्तु छोटे स्तर की पुलिस टीम की लापरवाही या भ्रष्ट व्यवहार वरिष्ठ लोगों के प्रशासनिक कार्यवाही पर पानी फेरने का काम कर रही है। अगर प्रशासन इन लापरवाह लोगों के ऊपर कड़ी कार्यवाही न करे तो ये लोग किस स्वरूप में प्रशासन की फजीहत करा दे इसका भरोसा नहीं।

जिनके कंधे पर नियम कानून पालन की जिम्मेदारी है वहीं स्वयं कानून की धज्जियां उड़ाने लगे तो फिर माफिया चाहे रेत माफिया हो, शराब माफिया हो या अन्य लोग हो वह तो कानून की कमी का भरपुर फायदा उठाने की कोशिश करेगा। रेत माफिया कितना सक्रिय है यह तो भिण्ड की घटना से अंदाज लगाया जा सकता है। अभी पुलिस और रेत माफिया का मेलजोल सुना था परन्तु अब मीडिया के लोग भी दलाल की भूमिका निभा रहे है ऐसा देखने को मिला जो और भी शर्मनाक घटना है। वो तो सोसल मीडिया का शुक्र है कि इनकी तिकडी का भण्डाफोड़ हुआ वरना सब मिलजुल कर लूट को अंजाम देते रहते और आम जनमानस मूकदर्शक बना रहता। वरिष्ठ प्रशासनिक महकमें द्वारा अपने अधीनस्थ कर्मियों को लापरवाही का खामियाजा की सजा मिली व शहर को इन माफियों की करतूत का पता चल सका।

अनुसूचित जाति का अपमान सहन नहीं किया जाएगा:अ.जा मोर्चा

पूर्व केंद्रीय मंत्री ज्योतिराज सिंधिया का पुतला दहन किया

भिंड

कांग्रेस की सामंतवादी मानसिकता के के विरोध में आज भाजपा अनुसूचित मोर्चा के द्वारा शहर के परेड चौराहे पर अशोक नगर के भाजपा विधायक गोपीलाल जाटव के द्वारा 21 जुलाई को अशोक नगर में ट्रामा सेंटर का लोकार्पण किया था किंतु इसके बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा उसी ट्रामा सेंटर को धोकर एवं गंगा जल छिड़क कर पुन: लोकार्पण किया इससे श्री सिंधिया ने देशभर के दलितों का अपमान किया है इसी संदर्भ में अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष जितेंद्र भास्कर के नेतृत्व में आज भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के द्वारा परेड चौराहे पर ज्योतिरादित्य सिंधिया का पुतला दहन किया गया अनुसूचित जाति के व्यक्ति का अपमान कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा आखिर कांग्रेस दलितों के प्रति क्या चाल-चलन और चरित्र है दलित समाज के प्रति आज 21वीं सदी में भी अछूत होने की मानसिकता को दर्शाता है इस अवसर पर प्रमुख रूप से भाजयुमो के प्रदेश उपाध्यक्ष सुदीप भदौरिया, महिला मोर्चा की जिला अध्यक्षा सीमा शर्मा,नगर अध्यक्ष उपेंद्र भदौरिया,नगर पालिका उपाध्यक्ष रामनरेश शर्मा,भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष जितेंद्र भास्कर,विजय चौरसिया,श्याम लाल जाटव,अमित कुमार,राहुल सिंह सहित पार्टी के समस्त मोर्चो एवं प्रकोष्ठों के पदाधिकारी एवं सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सी.एम.हेल्पलाइन का बनाया गया भददा मजाक

दबोह(मोहित गोस्वामी)

लेवल 3व4 तक नही हुआ शिकायतों का निराकरण

वार्ड नं.6 दूल्हादेव मोहल्ला से कसाई मोहल्ले में बह रहे नाली के गंदे पानी के बारे में यादव गली के एक रहवासी राज भुवन यादव ने सी. एम. हेल्पलाइन पर तीन बार नगर परिषद दबोह के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई जिनमे

पहली शिकायत 22/02/2017को जिसका शिकायत क्रमांक3389437, दूसरी शिकायत 04/04/2017 को जिसका शिकायत क्रमांक3617740, तीसरी शिकायत 24/04/2017 को जिसका शिकायत क्रमांक3729926 जिनका अभी तक कोई निराकरण नही किया गया जिनमे दो शिकायते लेवल 4 व एक शिकायत लेवल 3 तक पहुची उल्लेखनीय है कि कलेक्टर डॉ. इलैया राजा टी ने सी.एम. हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों के निराकरण करने की दिशा में जिले भर के विभिन्न विभागों के कार्यालय प्रमुखों को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि लेवल 1 एवं 2 से सम्बंधित अधिकारी अपने विभाग से सम्बंधित शिकायत का निराकरण गम्भीर होकर एक सप्ताह में करे जबकि ये शिकायते

लेवल 3व4 तक पहुँच गयी है और अब तक इनका कोई निराकरण नही किया गया क्या शिकायत कर्ता की शिकायत का निराकरण कर लेवल एक व दो के साठ गांठ करने बाले अधिकारियों पर कोई कार्यवाही की जाएगी या फिर शिकायत कर्ता इसी तरह हाथ पर हाथ रखकर उदास बैठा रहेंगा।

हत्या के प्रयास का एक साल से फरार आरोपी गिरफ्तार

असबार

लहार अनुभाग के रावतपुरा थाना अंतर्गत अपराध क्रमांक 31/16 के फ़रार आरोपी को रावतपुरा पुलिस ने गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की।

रावतपुरा थाना प्रभारी बाल्मीक चौबे ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी दीपक पुत्र विनोद दीक्षित उम्र 22 वर्ष निबासी बरेई ने दिनाँक 8/5/16 को बरेई निवासी पवन पुत्र संतोष मिश्रा की हत्या करने का प्रयास किया था उक्त आरोपी घटना दिनाँक से ही फरार था मुखविर से सूचना मिलने पर आज संजू डूबे की कोठी के सामने आम रास्ते से गिरफ्तार किया।

पौधे वृक्ष बनकर आगे की पीढ़ी के काम आएंगे: कलेक्टर

अटेर

बरसात के खुशनुमा मौसम में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत मध्यप्रदेश पत्रकार संघ के पूरे मध्यप्रदेश में एक लाख पौधरोपण के तहत जिले में अटेर तहसील के ग्राम परा में जगद गुरू शंकराचार्य स्वामी नारायण नंदतार्थ आश्रम पर मप्र पत्रकार संघ ने पौधरोपण किया म.प्र. पत्रकार संघ के आयोजित वृहद्व वृक्षारोपण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कलेक्टर डॉ इलैया राजा टी ने कहा कि पर्यावरण को शुद्व रखने में पेडो की महति भूमिका है। पेड हमें जीवनदान देते है। रोपे गए पौधो का लालनपोसन करने की दिशा में टीगाड, बाउण्डरीवाल जैसे सुरक्षा के इंतजाम किए जावें। इससे पौधे बडे होकर प्राणवायु देने में सहायक होंगे। । पुलिस अधीक्षक अनिल सिंह कुशवाह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण को शुद्व रखने में पेडो की महति भूमिका है। आज यहां रोपे गए पौधे वृक्ष बनकर पर्यावरण की दिशा में वातावरण को शुद्व करने में सहायक होंगे। मप्र पत्रकार संघ के संस्थापक महासचिव राजेश शर्मा ने कहा कि पेड़ लगाकर हम अपने जीवन में खुशियों की एक नई शुरुआत कर सकते हैं।

अज्ञात ट्रेन से कट कर युबक की मौत

डबरा । अज्ञाय ट्रेन से कट कर अज्ञात युवक की मौत दो हिस्सो में बटकर क्षतविक्षत हुआ शव किलोमीटर 1184/14-16 डाउन लाइन पर कटा लगभग 35 बर्षीय युवक का शव 300 मी. दूर तक रगडता हुआ जा गिरा वनखंडेश्वर मंदिर के सामने लगभग समय 1 बजे गेटमैन 396 ने स्टेशन मास्टर एस के मोदी को डाउन लाइन पर शव पडा होने की सूचना दी डबरा स्टेशन द्वारा संबंधित देहात थाना को सूचना पत्र भेज कर घटना की जानकारी दी! देहात थाना प्रभारी नरेंद्र सिंह स्वर्णकार ने मौके पर पंचनामा बनाकर, मर्ग दर्ज कर यथा शव पीएम कराकर उक्त मामले की जांच शुरू कर दी है!

आधुनिक शिक्षा हेतु अग्रणी संस्थान
कृष्णा पब्लिक एकेडमी
देवानंद नायक — ग्रुप डायरेक्टर
अजय शास्त्री — डायरेक्टर
परशुराम धाम वार्ड नम्बर 12 लहार जिला भिंड मप्र

यूनिवर्सल डेबोर्डिंग अकेडमी
प्रवेश प्रारंभ
1 अवेकस पद्धति से शिक्षा जिससे गणित का डर हमेशा के लिये खत्म
2. 25% RTE के तहत प्रवेश
3. मेमोरी और कॉन्सट्रेशन पावर बढ़ाने के लिये अलग से क्लास
4. पर्सनाल्टी डवलपमेंट क्लासेज
पता-प्रीतम विहार कॉलोनी पिंटो पार्क मुरार ग्वालियर
Mob 0751-6997770,7879337770

माँ वैष्णवी विद्यानिकेतन प्राथमिक मा. विद्यालय ग्राम भोनपुरा
:प्रवेश प्रारम्भ:
1 जून 2017 से 2018
LKG TO 8TH हिन्दी/अंग्रेजी मीडियम
संचालक — बृजेश सिंह भदौरिया
प्रेंसीपल — रामअनुजसिंह (एम.एस.सी.)
व्यवस्थापक — इन्द्रवीरसिंह भदौरिया
प्रबन्धक — शुशपाल सिंह भदौरिया
संपर्क सूत्र: 9584966997 7, 8458940535

नगर परिषद ने कर ली कमाई पर नहीं हुई नालों की सफाई

दबोह(मोहित गोस्वामी)

सफाई के नाम पर लाखों खर्च फिर भी गन्दगी के अम्बार

सफाई पर हर माह लाखो खर्च फिर भी सफाई नदारत जी हाँ यह हाल नगर दबोह की ज्यादातर हर वार्ड का है सूत्र बताते हैं कि नगर में केवल कागजों में चल रहा स्वच्छता अभियान,हकीकत में क़स्बा डूबा गन्दी और दलदल में चिंतन का विषय तो यह है की नगर परिषद द्वारा प्रत्येक माह सफाई के नाम पर लगभग 1 लाख 80 हजार की रकम का खर्च होना बताया जाता है,जबकि नगर परिषद में 15 स्थाई कर्मचारी तथा 42 अस्थाई कर्मचारी सफाई के नाम पर काम करते हैं,जिनका भुगतान प्रति माह 1लाख 80 हज़ार रूपये किया जाता है,जबकि इतनी बड़ी रकम सफाई के नाम पर एक माह में खर्च होना वो भी एक छोटे से कस्बे में अचम्भे की बात है,फिर भी नगर में सफाई व्यवस्था दम तोड़ रही है,इससे पहले दि.08 जनवरी 2016 को नगर परिषद के एक वर्ष पूर्ण होने पर नगर परिषद में एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया था जिसमे पूर्व नगर परिषद अधिकारी नाथूराम खेंगर,वर्तमान नगर परिषद अध्यक्ष रूपनारायण खटीक,उपाध्यक्ष रफीक खान,समस्त वार्ड पार्षद व् नगर के समस्त पत्रकार बन्धु उपस्तिथ थे,तभी वार्ड नम्बर 06 के पार्षद सुरेन्द्र दौहरे ने सफाई व् स्वच्छता के नाम पर खर्च हो रही 1 लाख 80 हजार रूपये की राशि को झूठा बताकर सीधा निशाना नगर परिषद अध्यक्ष,पार्षद व् सफाई ठेकेदार की आपस में मिली भगत बताया था साथ ही पार्षद सुरेन्द्र का आरोप था कि सफाई ठेकेदार का तो केवल नाम मात्र है पूरा काम तो अध्यक्ष व् वार्ड पार्षद देख रहे हैं जिसका उदाहरण उन्होंने सफाई अभियान में जे.सी.बी मशीन का लगभग 3 लाख रूपये परिषद के द्वारा खर्च होना बताया जो गलत है साथ ही अस्थाई कर्मचारियों की नियुक्तियों में पार्षद ने भाई–भतीजा बाद होना बताया था,नगर में सफाई शायद कागजो में छपी दिखाई देती है और तो और नगर परिषद ने तो स्वच्छता अभियान को लेकर कुछ दिनों पूर्व हर वार्ड में आपकी परिषद–आपके द्वार कैम्प लगाकर स्वच्छता अभियान को एक नया रूप दिया था जो केबल उसी कैम्प के दिन जोरो से चला उसके बाद ज्यों का त्यों..

गन्दगी और दल दल बना लोगो की समस्या

1.वार्ड नम्बर 06 दूल्हा देव मोहल्ले में सी सी निर्माण होने के बाबजूद भी सड़को पर गन्दगी भरा दलदल जबकि यह रास्ता संसीगढ़,गांगेपुरा को होकर जाता है,यहाँ से निकलने वाले दुपहिया बाहनो वाली सवारी कई बार दलदल में फिसल कर घायल भी हो चुकी है..

2.वार्ड नम्बर 08 शास्त्री नगर(पत्थर टाल के पीछे)गली में सी सी होने के बाद भी पानी का बहाब विपरीत दिशा में होने से सी सी के ऊपर बहता नालियो का पानी और जिसकी वजह नालियों में भरी गन्दगी जिन्हें शायद महीनो से नही किया गया साफ़ उसी के साथ सिंचाई बिभाग के ओफिस के आगे बने नालो में महीनो से नही हुई सफाई,इसी के साथ पुरे नगर में यही आलम है नगर परिषद हर माह सफाई पर एक बड़ी रकम खर्च करती है फिर भी सफाई नही..?? क्या नगर ऐसे ही स्वच्छता और सफाई से रहेगा कोसो दूर..?

जाति आधार पर नही आर्थिक आधार पर हो आरक्षण हो-के.डी सोनकिया

दबोह(मोहित गोस्वामी)

नगर दबोह में ब्राह्मण समाज की बैठक नगर के हिमांसु कॉन्वेंट स्कूल में सम्पन्न हुई जिसमे मुख्यातिथि के रूप में रिटार्यड एस डी ओ पी के.डी सोनकिया मुख्य रूप से मौजूद रहे बैठक में मुख्य रूप से ब्राह्मण समाज को मजबूत कर एक नई दिशा की ओर लाने पर प्रकास डाला गया जिसमें मुख्यातिथि के रूप में पधारे के डी सोनकिया ने ब्राह्मण समाज के नव युवाओ को सम्बोधित करते हुए कहा कि ब्राह्मण समाज का पिछले दिनों में जो वर्चस्व और अस्तित्व था अब बो कहीँ न कही कम होता जा रहा हो रहा है हमारी राजनैतिक शक्तियां भी कम हो रही है इन सब का कारण है हमारे आचरण संस्कार कम हो गए है आरक्षण के खिलाफ आवाज हमें संगठन के साथ उठाना पड़ेगी संगठन में वो ताकत है जो सरकार बदल देती है संगठन की ताकत को पहचानिये एक बड़ा बदलाव लाने की जरूरत है इसलिए सभी लोग मिलकर रहिये और एक दूसरे ब्राह्मण का विरोध न करते हुए उसके साथ रहकर उसका हौसला मजबूत कीजिये फिर देखते है कौन हमारे संगठन को कमजोर बनाता है इसी के साथ इन्होंने कहा कि जल्द ही नगर में ब्राह्मण समाज की कार्यकारिणी का गठन किया जायेगा,बैठक में अंजनी कुरचनियाँ, राममोहन मुदगल,ामलोचन शर्मा, नुरुद्ध मुदगल, हृदेश नायक, नरेन्द्र मिश्रा, सुधीर तिवारी, दिलीप नायक, मोहित गोस्वामी, मयंक त्रिपाठी, जितेंद्र लहारिया के साथ अन्य ब्राह्मण समाज के लोग मुख्य रूप से मौजूद रहे।

निर्वाचन कार्या में लगे अधिकारी कर्मचारी मुस्तैदी के साथ कार्या करें: अपर कलेक्टर

मुरैना। अपर कलेक्टर श्री एस.के. मिश्रा ने कहा कि नगरीय चुनाव में जिन अधिकारी कर्मचारियो की ड्यूटी लगाई गई है वे अधिकारी कर्मचारी अपने अपने क्षेत्रों में मुस्तैदी के साथ ड्यूटी का निर्वहन करें अन्यथा लापरवाही पाये जाने पर चुनाव नियमों के तहत कार्यवाही की जावेगी। यह निर्देश उन्होने रविवार को कैलारस एवं सबलगढ मुख्यालय पर बैठक में अधिकारियो को दिए। बैठक में एसडीएम श्री एम.एल.मालवीय, तहसीलदार श्री अजय शर्मा, रिट्रनग आफीसर कैलारस श्री सर्वेश यादव सहित अन्य चुनाव कार्य में लगे अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। उन्होने बताया कि ३६ मतदान केन्द्रों के संदर्भ में निर्वाचन अधिकारी द्वारा बताया गया कि इनकी साफ सफाई एवं निर्वाचन कार्य हेतु उपयुक्तता का परीक्षण कर लिया गया है। सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं सेक्टर आफीसर के प्रस्ताव अनुमोदन हेतु जिला कार्यालय मुरैना को भेज दिए गए है।

अटेर चंबल पुल पर मारपीट पुलिस व माफियाओं का गठजोड़: श्याम सुंदर सिंह यादव

भिंड(अर्पित गुप्ता)। अटेर चंबल पुल पर निर्माण कर रही कंपनी के साथ मारपीट कर कार्य बंद कराया गया पुलिस अपराधियों को संरक्षण देकर कार्रवाई से बच रही है और जनता को झूठा आश्वासन दिया जा रहा है जिससे पुलिस व माफियाओं का गठजोड़ नजर आ रहा है इसी प्रकार पूर्व में कनेरा परियोजना से एक कर्मचारी के साथ मारपीट की गई थी व कंपनी के एक कर्मचारी का अपहरण भी हुआ था, जिसमें महेश्वरी नाम के व्यक्ति की हत्या भी हुई थी जिस कारण से कनेरा योजना बंद हो गई इस योजना पर कोई कंपनी कार्य करने को तैयार नहीं है और कनैरा योजना अधर में चली गई इसी प्रकार की घटना फिर से अटेर चंबल पुल बनाने वाली कंपनी के साथ घटित हुई है इस कंपनी के कर्मचारियों की मारपीट की गई जिसके बाद इस पुल का कार्य कंपनी ने बंद कर दिया इस पुल के बनने से भिंड आगरा नजदीक होंते और व्यापार के नए आयाम खुलते पर पुलिस के गठजोड़ से अपराधी,गुंडे और बदमाशों को यह गवारा नहीं कि भिंड का विकास आगे जाए, इस कारण अपराधियों की मंशा के अनुसार अटेर क्षेत्र में चंबल नदी पर बन रहे पुल पर कार्य करने वाले कर्मचारियों पर हमला बोलकर उनकी मारपीट की जिससे पुल का कार्य प्रभावित हुआ है यही इन अपराधियों की मंशा है कि इस क्षेत्र का विकास ना हो यहां कोई बाहरी कंपनियां ना आए। यह बात लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्यामसुंदर सिंह यादव ने एक बयान जारी कर कहीं, उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी ऐसे अपराधी गुंडों बदमाशों पर सख्त कार्रवाई करने की मांग करती है और कंपनी के अधिकारियों कर्मचारियों को पुलिस सुरक्षा दिलाए जाने की मांग करती है।

लोसपा के प्रदेश अध्यक्ष ने बयान जारी कर कहा

नगरीय निकाय चुनाव प्रक्रिया को प्रेक्षक वार्ष्णेय ने कैलारस व सवलगढ पहुंचकर देखा

चुनाव प्रक्रिया स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी हो: वार्ष्णेय

मुरैना

राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा मुरैना जिले की नगर पंचायत कैलारस के उप चुनाव व सबलगढ नगरपालिका अध्यक्ष को वापिस बुलाने के संबंध में मतदान ११ अगस्त को संपन्न होना है। इसके लिए चुनाव आयोग ने प्रेक्षक के रूप में आईएएस (सेवा निवृत) श्री एम.के.वार्ष्णेय को नियुक्त किया है। श्री वार्ष्णेय द्वारा आज कैलारस व सबलगढ में पहुंचकर चुनाव प्रक्रिया का जायजा लिया और आवश्यक निर्देश अधिकारियो को दिए। जिसमें उन्होने कहा कि चुनाव

प्रक्रिया स्वतंत्र निष्पक्ष एवं पारदर्शी होना चाहिए। इस अवसर पर उनके साथ एसडीएम सबलगढ श्री एम.एल.मालवीय, एसडीओपी श्री गुरूबचन सिंह, तहसीलदार कैलारस श्री सर्वेश यादव, तहसीलदार सबलगढ श्री अजय शर्मा, नगरपालिका सीएमओ सबलगढ, बीओ बीआरसी कैलारस सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे ।

निरीक्षण में सर्व प्रथम श्री वार्ष्णेय ने कैलारस नगर पंचायत में ईव्हीएम की अभी तक तैयारियां नामांकन प्रक्रिया, मतदान केन्द्र, मतदाता, वार्ड आदि की जानकारी प्राप्त की। जानकारी में एसडीएम सबलगढ श्री एम.एल.मालवीय ने बताया कि कैलारस नगर पंचायत में कुल १५ वार्ड है जिनमें १७ हजार २१९ कुल मतदाता है। उनमें ९ हजार ३२५ पुरूष, ७ हजार ८९३ महिला एवं १ अन्य मतदाता है। श्री मालवीय ने बताया कि मतदान संपन्न कराने के लिए प्रशासन द्वारा संपूर्ण तैयारियां की जा रही है। इसके लिए २४ मतदान केन्द्र बनाये गए है।

भिंड जिले के सभी क्षेत्रो में
पुष्पांजली टुडे समाचार पत्र
को संवाददाता नियुक्त करना है

अर्पित गुप्ता
(सम्भागीय प्रमुख)
मोबा.
9691270207

इक्छुक व्यक्ति
सम्पर्क करें...

शशी भूषण सिंह चौहान
(जिला ब्यूरो)
मोबा.
9425130046

ई मेल-Arpitgnews@gmail.com

सम्पादकीय

संसद में शर्मनाक

कांग्रेस के छह सांसदों ने लोकसभा में जैसी अराजकता का परिचय दिया और जिसके चलते उन्हें पांच दिनों के लिए निलंबित किया गया उससे यही साफ हुआ कि उन्होंने ठीक एक दिन पहले राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की ओर से दी गई इस नसीहत पर तनिक भी गौर नहीं किया कि हंगामे के कारण सत्तापक्ष से ज्यादा नुकसान विपक्ष का होता है। कांग्रेसी सदस्यों के लिए इसका कहीं कोई औचित्य नहीं बनता था कि वे लोकसभा अधिकारियों की फाइलों के कागज फाड़कर अध्यक्ष पर फेंकते, क्योंकि वे जिस मसले पर सदन में चर्चा चाह रहे थे उस पर सरकार भी सहमत थी और खुद अध्यक्ष भी। आखिर जब सरकार हिंसक भीड़ का निशाना बन रहे दलितों और अल्पसंख्यकों के मसले पर बहस को तैयार थी तब फिर कांग्रेसी सांसदों को आपा खोने का दिखावा करने और फाइलें फाड़ने की क्या जरूरत थी? कांग्रेसी सांसद जिस तरह बेवजह तैश में आए और अशोभनीय आचरण की हद पार कर गए उससे तो यही लगता है कि वे घर से तय करके आए थे कि सदन में हंगामा ही करना है। हैरत नहीं कि उनका उग्र और शर्मनाक आचरण कांग्रेस की उसी सोची-समझी रणनीति का हिस्सा हो जिसके तहत संसद में हर दिन किसी न किसी मसले को उठाकर सदन की कार्यवाही बाधित करने को लक्ष्य बनाया गया है। यह पहली बार नहीं जब विपक्ष की ओर से ऐसे किसी मसले पर संसद में हंगामा किया गया हो जिस पर सत्तापक्ष चर्चा के लिए सहमत हो। ऐसा अब आए दिन होता है और कई बार तो चर्चा का नोटिस दिए बिना संबंधित मसले पर बहस की जिद पकड़ ली जाती है। आखिर विपक्ष ने यह क्यों मान लिया है कि उस पर किसी तरह के नियम-कानून लागू नहीं होते? यदि ऐसा कुछ नहीं है तो फिर निर्धारित प्रक्रिया का पालन किए बगैर चर्चा करने या सरकार से जवाब मांगने के बहाने संसद और देश का वक्त जाया करने वाली हरकतें क्यों की जाती हैं? बहुत दिन नहीं हुए जब कांग्रेसी सांसद सदन में नारे लिखी तख्तियां लेकर जाते थे और इसके लिए अतिरिक्त कोशिश करते थे कि वे लोकसभा टीवी के कैमरों में कैद हो जाएं। आज जब इसकी आवश्यकता कहीं अधिक है कि भीड़ की हिंसा समेत अन्य अनेक जो भी गंभीर मसले हैं उन सब पर संसद में सार्थक चर्चा हो तब यह साफ दिख रहा है कि विपक्ष की रुचि सरकार को घेरने के नाम पर हो-हल्ला करते रहने में अधिक है। यह संसद की गरिमा से खिलवाड़ करने और साथ ही अपनी जिम्मेदारी से भागने वाला रवैया है। राजनीतिक दल संसद में हंगामा कर केवल अपनी छवि से ही नहीं खेलते, बल्कि वे आम जनता को भी निराश करते हैं। राजनीति और लोकतंत्र के लिए यह शुभ संकेत नहीं कि संसद और विधानसभाएं धीरे-धीरे हंगामा करने का मंच अधिक बनती जा रही हैं। यह हंगामा करने की आदत का ही नतीजा कहा जाएगा कि अपने छह सदस्यों के लज्जास्पद व्यवहार पर खेद जताने के बजाय कांग्रेसी सांसद लोकसभा अध्यक्ष के फैसले के खिलाफ संसद परिसर में गांधीजी की प्रतिमा के समक्ष प्रदर्शन करने की तैयारी कर रहे हैं। यह संसद के बाद गांधीजी के निरादर के अलावा और कुछ नहीं।

चीन को परखने में वही पुरानी भूल

हर्ष वी पंत

डोकलाम में भारत-चीन के बीच जारी गतिरोध को लेकर चीन के रुख-रवैये पर पहले ही बहुत कुछ लिखा जा चुका है। सभी प्रकार के विश्लेषण शी चिनफिंग के हाथों में केंद्रित होती चीनी सत्ता की ताकत और आगामी कम्युनिस्ट पार्टी कांग्रेस सम्मेलन, चीनी मीडिया द्वारा पैदा किए जा रहे युद्धोन्माद, बेल्ट रोड इनिशिएटिव का बहिष्कार करने के लिए नई दिल्ली के प्रति बीजिंग द्वारा नाखुशी जाहिर करने और स्वयं को दक्षिण एशिया का सर्वेसर्वा घोषित करने के आसपास घूम रहे हैं। हालांकि ये सभी कारक चीन के मौजूदा आचरण को समझने में कुछ मददगार हो सकते हैं, लेकिन वास्तविक कारक इनसे अलग है। दरअसल चीन की बढ़ती ताकत ही उसे अपने हितों-स्वार्थों की पूर्ति को लेकर अपने विचार बदलने पर मजबूर कर रही है जो कि अब सबसे ज्यादा विस्तारवादी दौर में है।

भारत के साथ उसके मौजूदा विवाद के अतिरिक्त हाल के दिनों में उसके रवैये पर एक नजर डालते हैं। बीते हफ्ते एक सैन्य अभ्यास के दौरान दो जापानी द्वीपों के बीच में स्थित मियाको जलडमरूमध्य के ऊपर से अपने छह युद्धक विमान उड़ाने के बाद चीन ने जापान से कहा कि 'अब इसकी आदत डाल लो'। ताइवान के राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्रालय ने भी शिकायत की कि गत दिनों चीनी बमवर्षक विमान उसके वायु रक्षा क्षेत्र के करीब से गुजरे और चीन ने अपने पहले विदेशी सैन्य अड्डे के निर्माण के मकसद से अपनी सेना की एक टुकड़ी को जिबूती रवाना किया। इसके साथ ही दुनिया ने लोकतंत्र समर्थक और चीन की वर्तमान शासन प्रणाली के विरोधी चीन के नोबेल शांति पुरस्कार विजेता ली शाओबो के निधन पर मौन श्रद्धांजलि दी, जबकि चीन ने यह कहते हुए इससे मुंह फेर लिया कि उनके जैसे व्यक्ति को पुरस्कार देना उस अवार्ड के मूल मकसद की अवहेलना है। यह शांति पुरस्कार की ईश-निंदा की तरह है।

ये सभी घटनाएं बीते कुछ हफ्तों में घटी हैं। इन दिनों चीन हर जगह है, एक ही समय में वह विश्व व्यवस्था को चुनौती भी दे रहा है और साथ ही ट्रंप के काल में विश्व आर्थिक व्यवस्था का गारंटर बनने की भी कोशिश कर रहा है। इस साल की शुरुआत में दावोस में विश्व आर्थिक मंच को संबोधित करते हुए शी चिनफिंग ने ग्लोबलाइजेशन के समर्थन में मजबूत दलील दी और मुक्त व्यापार और खुले बाजार के चैंपियन के रूप में अमेरिका की परंपरागत भूमिका को हथियाने के प्रयास में बीजिंग की साख को रेखांकित किया, लेकिन जो लोग भी चीन को नजदीक से जानते-समझते होंगे उन्हें यह बात पूरी तरह स्पष्ट होगी कि बाजार अर्थव्यवस्था के एक आदर्श के रूप में उसकी साख बहुत ही कमजोर है, क्योंकि एक देश के रूप में उसे भी अमेरिका की अगुआई वाली विश्व आर्थिक व्यवस्था से ही बड़े पैमाने पर लाभ हासिल हुआ है। व्यापार असंतुलन को बढ़ावा देने के लिए मुद्रा के उतार-चढ़ाव, बंद पूंजी बाजार और सूक्ष्म गैर टटकर बाधाओं के इस्तेमाल का चीनी इतिहास उसे विश्व अर्थव्यवस्था का आदर्श बनाएगा, कहना काफी मुश्किल है। फिर भी दुनिया चीन से व्यापारिक संबंध रखने की इच्छा व्यक्त कर रही है तो इसका कारण यही है कि उसकी बढ़ती ताकत से आकर्षित देश उससे जुड़े रहना चाहते हैं। हम चीन की बातों पर इसलिए भरोसा करते हैं, क्योंकि वे बहुत ही आश्वस्तकारी होती हैं, वह सारे मुश्किल सवालों को किसी और दिन या कहें कि भविष्य के लिए टाल देता है और आज के लिए सिर्फ अच्छी बातों पर चर्चा करता है। इसी वजह से हमें लगता है कि जब तक चीन का विकास हो रहा है तब तक दुनिया शांतिपूर्वक रहे, क्योंकि आने वाले दिनों में वह विश्व व्यवस्था की रक्षा करेगा। भारतीय नीति-निर्माता भी बीते दो दशकों से इस खोखले सोच का हिस्सा बने हुए हैं। वे इस खामख्याली में जीते रहे हैं कि चीन और भारत एक ही गुट के सदस्य हैं और एक-दूसरे से नजदीकी रिश्ते होने से बहुत हद तक अपनी खुली शत्रुता से पार पा जाएंगे। वे अपने चीनी समकक्षों के इस आश्वासन पर भी आंख मूंदकर भरोसा करते रहे कि भले ही दोनों के बीच कई मुद्दों पर मतभेद और विवाद हैं, लेकिन दोनों के एक साथ उत्थान की बहुत संभावनाएं भी हैं। इसके बाद ही ब्रिक्स का शब्दजाल सामने आया था।

संसद को नसीहत

संसद के सेंट्रल हाल में अपने विदाई समारोह के अवसर पर राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने संसद में गंभीर चर्चा के अभाव पर जो कुछ कहा उस पर सभी राजनीतिक दलों को गंभीरता से विचार करना चाहिए। यह विचार इसलिए आवश्यक है, क्योंकि हर कोई यह महसूस कर रहा है कि संसद में अब वैसी चर्चा नहीं होती जैसी आवश्यक है और जिसके लिए संसद जानी जाती रही है। हाल के समय में देखें तो पिछले तीन वर्षों में मुश्किल से दो-तीन अवसर ऐसे आए हैं जब संसद के दोनों सदनों में किसी मसले पर गंभीर और सार्थक चर्चा हुई हो। उदाहरण के तौर पर देखा जाए तो जीएसटी विधेयक के दौरान हुई चर्चा ही ऐसी थी जिसे सकारात्मक और संसद की गरिमा के अनुरूप कहा जा सकता है। यह पहली बार नहीं है जब प्रणब मुखर्जी ने राष्ट्रपति के रूप में संसद में चर्चा के गिरते स्तर पर चिंता जताई हो। वह यह काम राष्ट्रपति पद पर आसीन होने के बाद से ही करते चले आ रहे हैं। कई बार तो उन्होंने राष्ट्र के नाम संदेश में भी इसका जिक्र किया कि संसद में हंगामा कुछ अधिक होने लगा है। इतना ही नहीं वह गंभीर बहस की महत्ता को भी रेखांकित करते रहे हैं। उन्होंने समय-समय पर सांसदों को यह भी याद दिलाया है कि असहमति के नाम पर गतिरोध नहीं पैदा किया जाना चाहिए, लेकिन ऐसा लगता नहीं कि राजनीतिक दलों ने इन सब बातों पर सही तरीके से चिंतन-मनन किया है। विडंबना यह है कि सत्तापक्ष में रहते समय राजनीतिक दल विपक्ष से जैसे व्यवहार की अपेक्षा करते हैं, विपक्ष में बैठने के दौरान वैसा ही करने से इन्कार करते हैं।

इसमें कहीं कोई संशय नहीं कि जनता की आकांक्षाओं का सर्वोच्च मंच अर्थात संसद अब हंगामे और हो-हल्ले के लिए ही अधिक जानी जाती है। कई सत्र ऐसे रहे हैं जिनमें न के बराबर काम हुआ। सबसे विचित्र यह रहा कि जिन मसलों की आड़ में संसद के किसी सत्र को बाधित किया गया उनकी सुधि अगले सत्र में ली ही नहीं गई। चूंकि ऐसे कई प्रकरण देखने को मिल चुके हैं इसलिए इस नतीजे पर पहुंचने के अलावा और कोई उपाय नहीं कि राजनीतिक दल अपने संसदीय आचरण से संसद की गरिमा की परवाह नहीं कर रहे हैं। संसद में बहस की गंभीरता को बनाए रखने के लिए दोनों ही पक्षों को सक्रिय होना होगा। उन्हें उन कारणों पर गौर करना होगा जिनके चलते संसद सुचारु रूप से नहीं चल पाती। निःसंदेह बात तब बनेगी जब इन कारणों का निवारण किया जाएगा। पिछले कुछ समय से यह भी देखने में आ रहा है कि लोकसभा से अधिक हल्ला-हंगामा राज्यसभा में होने लगा है। ऐसे आंकड़े संसद की गरिमा को रक्षा नहीं कर सकते कि लोकसभा के मुकाबले राज्यसभा में काम के घंटों की कहीं अधिक बर्बादी हुई। राज्यसभा को न केवल उच्च सदन के रूप में जाना जाता है, बल्कि यह मान्यता भी है कि यह वह सदन है जिसमें दलगत हितों से परे हटकर और कहीं अधिक नीर-क्षीर ढंग से चर्चा की जाती है। दुर्भाग्य से अब इसका उलट देखने को मिल रहा है। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि संसद में उनके व्यवहार की झलक विधानसभाओं में भी दिखने लगी है। आज स्थिति यह है कि शायद ही किसी विधानसभा में कभी कोई गंभीर चर्चा होती हो।

महिला खेतिहर की भी सुध लीजिए

मृणाल पाण्डे

कुछ समय पहले इसी अखबार में कृषि क्षेत्र की रीढ़ महिला खेतिहरों की मीडिया और नीति-निर्माताओं द्वारा उपेक्षा पर छपे मेरे लेख से नाराज पाठकों के कुछ पत्र मिले। उनके मुख्य रूप से दो तर्क थे। एक यही कि आज सरकारी योजनाओं की कृपा से गांव जवार की युवतियां साक्षर बन चुकी हैं। उनके लिये खेतीबाड़ी के अनाकर्षक काम के बजाय टीचरी या नर्सिंग सरीखे कहीं बेहतर कामों की पेशकश क्यों नहीं करतीं? दो, पुरुष खेतिहर क्या कम शोषित पीड़ित हैं? पहले सवाल का जवाब लेख के भीतर ही था 'यह सच है कि पढ़-लिख कर गांव की लड़कियां बहुएं खेती नहीं करना चाहतीं, पर ताजा सरकारी आंकड़ों के अनुसार शहरों या गांवों में संगठित क्षेत्र में इतनी बेरोजगारी है कि इन नौकरियों के लिये हर जगह डिग्रीयाफ्ता पुरुषों और शहरी लड़कियों की लंबी कतारें हैं। गांवों से शहर आई स्कूली शिक्षा प्राप्त युवतियों के लिये वहां जगह नहीं है। दो, सामाजिक दशा और स्वास्थ्य स्थिति इन दोनों के विश्वस्त यानी सरकारी और अंतरराष्ट्रीय पैमानों पर पुरुष खेतिहरों की तुलना में महिला खेतिहरों की दशा बेहद खस्ता पाई गई है। कितनी और कैसे, यह इस लेख में बताने की कोशिश की गई है।

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन यानी आइएलओ ने कृषि-कर्म को स्वास्थ्य के लिहाज से सबसे जोखिमभरा धंधा माना है। वजह यह है कि इसमें कर्मियों को खुले में खराब मौसम के बावजूद तमाम तरह के संक्रामक तत्वों के बीच घंटों काम करना होता है। इस दौरान वे रासायनिक खाद तथा जहरीले कीटनाशकों का भी लगातार छिड़काव करते रहते हैं और वह भी अक्सर नंगे पांव जो खाल से भिद कर तरह तरह की बीमारियां पैदा करता है। औरतों पर दोहरा दबाव रहता है। पहले घर का काम करो, सबका खाना, पशुओं के चारे-ईंधन की व्यवस्था करो फिर खेती में घंटों तकलीफदेह मुद्राओं में खेतों के बीच निराई, गुड़ाई, रोपाई और कटाई का काम करने जाओ। वापस आकर भी पुरुष खेतिहर की तरह औरत को आराम या पका पकाया खाना नहीं मिलता। खाना पकाओ, सबको खिलाओ फिर घर के टंटे निबटाओ और रसोई समेट कर अगले दिन की तैयारी करो। विश्व खाद्य एवं कृषि संगठन यानी एफएओ की एक रपट के अनुसार हिमालयीन इलाके में लगभग एक एकड़ के खेत में हर साल एक बैल 1,064 घंटे, पुरुष खेतिहर 1,212 घंटे और एक महिला खेतिहर 3,485 घंटे काम करते हैं। इनमें से दस फीसदी से भी कम औरतें ही खेत की मालकिन हैं।

अधिकतर महिलाएं बहैसियत मौसमी कामगार दिहाड़ी पर ही काम करती हैं। दिहाड़ी भी न्यूनतम से कम ही होती है या वे मनरेगा जैसी सरकारी योजनाओं के तहत खेती-बाड़ी का काम कर रही हैं। यूएन की रपटों के अनुसार भारत जैसे विकासशील देशों में आज 60 से 80 फीसदी खाद्योत्पादन ऐसी महिलाएं करती हैं जिनमें से अधिकांश के पास कोई विधिवत प्रशिक्षण या उन्नत कृषि उपकरण या स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए जरूरी दस्ताने, एप्रन, जूते या मास्क नहीं होते और चूंकि आज देश की अधिकांश जोतें छोटी और यांत्रिक उपकरणों से वंचित हैं, ऐसे में ये महिलाएं आज भी काम करते समय बाबा आदम के जमाने की कुदाली, फावड़े, खुरपियां और दरांतियां ही इस्तेमाल करती दिखती हैं। यह भी सचाई है कि बुआई से कटाई और बोरों में भराई तक खेती का सारा काम खुले आसमान के नीचे ही होना है। आर्थिक विवशता की वजह से हर साल कई महीने लगातार प्रदूषित वातावरण में मिट्टी, गोबर, कीचड़-पानी और कीड़े मकोड़ों से भरी जंगली घास के बीच काम करना (कई बार गर्भावस्था के महीनों में या जचगी के तुरंत बाद भी) हमारी खेतिहर महिलाओं के स्वास्थ्य की दशा को किस तरह लगातार बद से बदतर बना रहा है, इसके चंद उदाहरण पेश हैं।

तंबाकू की खेती में लगी पूर्वी गोदावरी जिले की महिलाओं पर हुए भारतीय चिकित्सा शोध परिसंघ के अनुसार कुल 8,000 करोड़ रुपये सालाना कमाई करने और निर्यात से 1,360 करोड़ की विदेशी मुद्रा कमाने वाला यह धंधा स्वास्थ्य की दृष्टि से खतरनाक कामों की तालिका में सबसे ऊपर है और यहां निराई-गुड़ाई, कटाई-बंडल बंधाई का सारा काम लगभग महिलाएं ही करती हैं। इनके लिए खतरों से सुरक्षा या हाथ-मुंह धोने, शौच आदि के लिए कहीं कोई समुचित प्रबंध नहीं किया जाता। देश की दूसरी सबसे बड़ी नकदी फसल कपास की खेती में भी ज्यादातर कामगार औरतें ही हैं। राजस्थान के राजसमंद में हुए शोध के अनुसार खतरनाक कीटनाशकों के छिड़काव और उचित रक्षा उपकरणों के अभाव से लगातार घंटों तक झुक कर काम करने को बाध्य ये महिलाएं समय से पहले बूढ़ी और तरह तरह की अलर्जीजनित, श्वासनली और फेफड़ों से जुड़े गंभीर रोगों की शिकार बन रही हैं। अब पशुपालन को देखें जिसे सरकार भी कृषि-क्षेत्र का ही विस्तार मानती है।

वहां भी सानी-पानी और गोशाला की सफाई अधिकतर औरत के ही जिम्मे है। यह बात बहुत कम प्रकाश में आती है कि बीमार पशुओं के संपर्क में आने और प्रदूषित वातावरण के कारण पहले से ही कमजोर महिलाओं को पशुओं से तपेदिक, स्वाइन फ्लू या बर्ड फ्लू सरीखे रोग कितनी आसानी से पकड़ लेते हैं। डेरी उद्योग के शोधकर्ताओं ने पाया है कि प्रत्येक आयुवर्ग की महिला खेतिहरों में रक्ताल्पता और प्रजनन तंत्र के संक्रमण के अलावा तमाम रोग आम हैं।

6 बिछड़े पति-पत्नियों को एक करने में सफल रहा परिवार परामर्श केन्द्र

शिवपुरी(अर्पित गुप्ता)

पुलिस परिवार परामर्श केन्द्र के शिविर में कुशल परामर्शदाताओं के भागीरथी प्रयास से 6 पति-पत्नियों को पुनः एक साथ करने में महती सफलता प्राप्त हुई। स्थानीय नवीन पुलिस कन्ट्रोल रूम में परिवार परामर्श केन्द्र में कुल 12 केश प्रस्तुत किए गए। इनमें तीन केशों में एक पक्ष के प्रस्तुत होने के कारण इन्हें अगली तिथि दी गई। वहीं बचे शेष 9 केसों में से 6 केसों में समझाईश के बाद आपसी सममति से पति-पत्नि ने राजीनामा कर लिया और अपने-अपने घर एक साथ रहने चले गए। शिवपुरी का ही एक केश बेहद दिलचस्प था। जिनमें पति-पत्नियों में भारी प्रेम था परन्तु पति पत्नि को मायके नहीं जाने देता था। मायके जाने पर हुए विवाद के बाद पत्नि मायके में ही रहने लगी थी और इन दोनों के दस वर्ष से अधिक उम्र के बच्चे भी हैं। परिवार परामर्श केन्द्र के काउन्सलरों ने आपस का विवाद दूर करके इनके बीच राजीनामा करवाया। एक अन्य केस में विवाह को केवल दो माह ही हुए थे कि पति पत्नि के बीच ईगो

तथा तालमेल के अभाव में विवाह विच्छेद का माहौल तैयार हो गया। परिवार परामर्श के कुशल काउन्सलरों ने इन दोनों पति-पत्नि को समझाईश देकर एक साथ जीवन जीने के लिए राजी करने में सफलता प्राप्त की। इसी तरह एक अन्य केस में पत्नि को गंभीर बीमारी की शिकायत थी और उसके पति ने उसके इकलौते पांच वर्षीय पुत्र को अपने पास रख लिया था तथा महिला अपने पिता के घर रह रही थी। इस केस में भी काउन्सलरों के द्वारा न केवल उन दोनों में राजीनामा कराया गया बल्कि काउन्सलर भरत अग्रवाल एवं डॉ. इकबाल ने उन दोनों का सही इलाज कराने का भी वीणा उठाया एक और बड़ा दिलचस्व केस शिवपुरी निवासी एक मजदूर महिला का था। जिसकी चार बेटियां थी जिनमें से एक बिकलांग थी। उसका पति ग्वालियर रहकर पेंटिंग का काम करता था। सास ससुर द्वारा कहासुनी और विवाद हो जाने के चलते वह भी तलाक लेने जा रही थी और बच्चियों को अनाथ आश्रम में भर्ती कराने की जिद् पर अड़ी थी। मगर परिवार परामर्श केन्द्र के काउन्सलरों ने इस वेहद चुनौती पूर्ण केस को सुलझाया और राजीनाम कराया। इस प्रकार कुल 6 प्रकरणों का निराकरण किया गया और बाकी प्रकरणों को आगे की काउसलिंग की अगली तारीख दी गई। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य, परिवार परामर्श केन्द्र के जिला संयोजक आलोक एम इंदौरिया, महिला सैल के विकास एवं विपिन शर्मा सहित रवजीत ओझा, गुंजन अजय खैमरिया, आर्नदिता गांधी, शिखा अग्रवाल, प्रीति जैन, पुष्पा खरे, श्वेता गंगवाल, उमा मिश्रा, स्नेहलता शर्मा, बिंदु छिब्बर, नम्रता गर्ग, एचएस चौहान, राजेन्द्र राठौर, भरत अग्रवाल, संतोष शिवहरे, राजेश जैन राजू, डॉ. इकबाल खांन, डॉ. विजय खन्ना, मथुरा प्रसाद गुप्ता, समीर गांधी परामर्श हेतु उपस्थित थे।

गौशालाओं का संचालन सबसे बड़ा पुण्य- गुप्ता

दतिया। जिला गौपालन बोर्ड की बैठक अपर कलेक्टर आशीष कुमार गुप्ता की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में उप संचालक पशु चिकित्सा केजी द्विवेदी के अलावा समिति के सदस्यगण मौजूद रहे। बैठक में सर्वसम्मति से गौ-शालाओं में चारा-भूसा के लिए ५ लाख ६२ हजार ६६७ रूपये की राशि दी गई। अपर कलेक्टर श्री कुमार गुप्ता ने बैठक में उपस्थित गौ-शालाओं के प्रबंधकों को संबोधित करते हुए कहा कि गाय की सेवा सबसे बडी सेवा है। आप गौ-शालाओं का संचालन कर रहे है इससे बडा पुण्य का कोई कार्य नहीं है। आप सभी अपनी-अपनी गौ-शालाओं में सभी व्यवस्थायें दुरूस्त रखें। शासन हर संभव मदद के लिए तैयार है। जिन गौ-शालाओं के लिए राशि प्रदान की गई। उनमें गोविन्द गौशाला दतिया के ५७८ गौ-वंश के लिए ५८४ रूपये ८९ पैसे प्रति गौ-वंश के हिसाब से तीन लाख ३८ हजार ६८ रूपये, केशव गौ-शाला इन्दरगढ़ के १३१ गौ-वंश के लिए ७६ हजार ६२१ रूपये, राजराजेश्वरी गौशाला सेवढ़ा के ६५ गौ-वंश के लिए ३८ हजार १८ रूपये, चैतन्य दास महाराज गौशाला दतिया के १८८ गौवंश के लिए एक लाख ९ हजार ९६० की राशि प्रदान की गई।

राजस्व व पुलिस अधिकारी समन्वित कार्रवाई करें

दतिया

दतिया कलेक्ट्रेट में कमिश्नर एसएन रूपला और चंबल आईजी उमेश जोगा ने संयुक्त बैठक ली बैठक में आयुक्त रूपला ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी राजस्व व पुलिस अधिकारी एक दूसरे के साथ मिलकर समन्वय बनाकर कार्य करें। जिससे आम जनता को अधिक से अधिक लाभ मिल सके। इस प्रणाली से आम जनता की समस्याओं का भी शीघ्र निराकरण होगा। उन्होंने कहा कि आपसी समन्वय से कोई अप्रिय घटना घटने से पूर्व ही उस पर कंट्रोल करने की व्यवस्था हो सकेंगी। उन्होंने कहा कि प्रशासन एवं पुलिस विभाग एक दूसरे के पूरक हैं। आने वाले दिनों में कई प्रकार के त्यौहार आ रहे है। जिन्हें शांति पूर्वक तरीके से जिले में मनाया जाना है। इसके लिए पर्याप्त सभी प्रकार की व्यवस्थायें एवं शांति समिति की बैठककर आपसी समन्वय से व्यवस्थायें की जाएं। आने वाले त्यौहारों पर पानी, बिजली, साफ-सफाई आदि सभी व्यवस्थायें सुचारू ढंग से रहनी चाहिए। इस दौरान कलेक्टर मदन कुमार, एसपी मयंक अवस्थी, एडीएम आशीष गुप्ता, एएसपी सुरेन्द्र सिंह गौड़, एसडीएम दतिया वीरेन्द्र कटारे, एसडीएम सेवढ़ा अशोक सिंह, संयुक्त कलेक्टर विवेक रघुवंशी, एसडीओपी दतिया आरसी भोज, बड़ौनी सुरेन्द्र सिंह परमार सहित तहसीलदार व समस्त थाना प्रभारी मौजूद रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत

शिवपुरी। बामोरकलां थाना क्षेत्र के ग्राम निगोदा में एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। जिस पर पुलिस छानबीन में जुट गई है। मृतिका के पति का कहना है कि पत्नि की मौत लंबी बीमारी के चलते हुई है जबकि मृतिका के भाई ने पुलिस के समक्ष आरोप लगाए हैं कि उसका जीजा और परिजनों ने उसकी बहन की मारपीट कर उसकी हत्या की है। पुलिस ने इस मामले को संज्ञान में लेकर शव को पीएम के लिए भिजवा दिया है और मर्ग की कायमी कर ली है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कल दोपहर सुदामा बाई पत्नि सरदार सिंह लोधी उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम निगोदा को झांसी ले जाते समय मौत हो गई। जिस पर मृतिका का भाई सोबरन लोधी निवासी ग्राम रेड्डी वहां आया जिसने अपने जीजा सरदार सिंह लोधी और उसके परिवार के सदस्यों पर आरोप लगाया कि उसकी बहन की मार मारकर हत्या की गई है।

इन्दरगढ़ में विकास के कई मुद्दों पर बनी सहमति

दतिया। कलेक्टर श्री मदन कुमार ने इन्दरगढ़ नगर परिषद हॉल में लंबित पत्रों के साथ इन्दरगढ़ से संबंधित विभिन्न बिन्दुओं पर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को समक्ष कर चर्चा की। चर्चा के उपरांत मौके पर ही निर्णय लिए गए। इस बैठक से इन्दरगढ़ में लंबित विभिन्न कार्यो को गति मिली है। बैठक में विधायक सेवढ़ा क्षेत्र श्री प्रदीप अग्रवाल, अपर कलेक्टर श्री आशीष कुमार गुप्ता, सीईओ जिला पंचायत श्री संदीप माकिन, एसडीएम सेवढ़ा श्री अशोक सिंह चौहान, दतिया श्री वीरेन्द्र कटारे, भाण्डेर श्री रमेश वंशकार, संयुक्त कलेक्टर श्री विवेक रघुवंशी, तहसीलदार इन्दरगढ़ श्री अशोक अवस्थी सहित जिले सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर द्वारा सर्वप्रथम उपस्थित अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि विभागीय अधिकारी रत्ननंदिता अभियान के तहत् अधिक से अधिक हितग्राहियों को योजनाओं में लाभान्वित करें।

विधायक भारती की मांग पर पोहरी विधानसभा क्षेत्र की 61 कि.मी. लंबाई की 24 सडकें होंगी डामरीकृत

शिवपुरी ब्यूरो। पोहरी विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में विधायक प्रहलाद भारती के विशेष प्रयासों से मध्यप्रदेश पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग मंत्री श्री गोपाल भार्गव की अनुसंशा पर मुख्यमंत्री ग्राम सडक योजना के अंतर्गत निर्मित अथवा निर्माणाधीन 61 किलोमीटर लंबाई की कुल 24 मुरमीकृत सडकों के डामरीकरण कार्य की स्वीकृति प्रदाय की गई है। जिसके तहत पोहरी विधानसभा क्षेत्र में परासरी से भावखेडी, मेहरा से अहेरा, शिवपुरी-श्योपुर रोड से भानगढ़, मेहलोनी से पारा, खरई रोड से विजोरा, बरोद से बमनपुरा, सूंड से जमोनियां, शिवपुरी-श्योपुर रोड से खुदी, प्रधानमंत्री सडक से मडरका, शिवपुरी-श्योपुर रोड से कोल्हापुर, खौदा से गुगरगांव, नानोरा से भटकाखेडी, रैयन्य से दरगावन, प्रधानमंत्री सडक से सेंमरखेडी, बमरा रोड से बीलवराखुर्द, प्रधानमंत्री सडक से बूढ़ाखेड़ा, प्रधानमंत्री सडक से मानकपुर, रसेरा से लक्ष्मीपुरा, मेहदेवा से मानपुर, पोहरी-मोहना रोड से रंधीर, प्रधानमंत्री सडक से अमरोदी, पोहरी-मोहना रोड से जरियांखेडा, झिरी-परीक्षा रोड से अतरौआ, प्रधानमंत्री सडक से अमरगढ़ तक की सडकों पर डामरीकरण किया जावेगा। विधायक भारती ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जारहा है, जिसके चलते वर्तमान में दूरदराज के कम जनसंख्या वाले गांव जिनमें कभी पहुंचना मुश्किल होता था, वे भी रोडों से जुड गए हैं और उनमें आवागमन सुविधा

रेत माफियाओं पर नवांगत एसपी ने कसी नकेल

दतिया(अर्पित गुप्ता)

रेत माफियाओं पर नवांगत एसपी ने कसी नकेल सुनारी घाट पर एसपी ने की छापामार कार्यवाही अवैध उत्खनन करती दो पनडुब्बी जप्त अवैध उत्खनन रोकने मैदान में उतरे एसपी नवांगत एसपी मयंक अवस्थी ने प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों के साथ की छापामार कार्यवाही एसपी मयंक अवस्थी बोले रेत खदानों का समय समय पर किया जाएगा निरीक्षण! रेत का अवैध उत्खनन रोकने के लिए बनाई जाएगी रणनीति इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र सिंह गौर, एसडीएम अशोक सिंह चौहान, तहसीलदार अशोक अवस्थी सहित अन्य प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी रहे मौजूद!

वही दूसरी तरफ थाना उन्नाब पुलिस की करवाही अबेध रैत का उत्खनन करते दो डम्पर पकड़े। डम्पर चालक कंजोलि खादान से भर कर ला रहे रेत।

ऐसे दूर रह सकते हैं आप वायरल फीवर

क्या है वायरल

मानसून में लोगों को सबसे ज्यादा वायरल बुखार परेशान करता है। वायरल कई तरह के संक्रमण के कारण होता है। यहां तक कि कई वायरस भी वायरल का कारण बनते हैं। वायरल के दौरान आमतौर पर चक्कर आना, कफ-कोल्ड होना और गले में खराश जैसी दिक्कतें होने लगती हैं। जब आप किसी वायरस से प्रभावित होते हैं तो सबसे अच्छा तरीका होता है उसे ज? से खत्म कर देना। वायरल होने से शरीर में कुछ खास लक्षण दिखते हैं, जैसे गले में दर्द, खांसी, सिर दर्द, थकान, जो?ों में दर्द के साथ ही उल्टी और दस्त होना, आंखों का लाल होना और माथे का बहुत तेज गर्म होना आदि। ब?ों के साथ यह फीवर बच्चों में भी तेजी से फैलता है।

नेचुरोपैथी है बेहतर

वैदिक ग्राम नोएडा के आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. एन. राघवन कहते हैं कि वायरल के दौरान सही खानपान से आप न सिर्फ अपना इम्यून सिस्टम मजबूत कर सकते हैं, बल्कि वायरल फीवर को भी दूर कर सकते हैं। अगर बुखार 102 या इससे कम हो तो डॉक्टर के पास जाने से पहले कुछ घरेलू नुस्खे आजमाकर भी बुखार को कम किया या इससे पूरी तरह आराम पाया जा सकता है। ध्यान रहे यह नेचुरोपैथी के उपचार हैं और इन्हें डॉक्टरी सलाह के स्थान पर प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए। यदि आपका बुखार नहीं उतर रहा है तो आपको डॉक्टरी सलाह लेनी चाहिए।

इन्हें अपनाएं

तुलसी का काढ़ा

वायरल बुखार के लक्षण होने पर प्राकृतिक उपचार के लिए सबसे प्रभावी और व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली औषधि है तुलसी के पत्ते। एक चम्मच लौंग पाउडर को करीब 20 ताजा और साफ तुलसी के पत्तों के साथ एक लीटर पानी में डालकर उबाल लें। इस का? का हर दो घंटे में सेवन करें। बैक्टीरियल विरोधी, कीटाणुनाशक, जैविक विरोधी और कवकनाशी गुण तुलसी को वायरल बुखार के लिए सबसे उत्तम बनाते हैं।

अदरक, हल्दी और शहद

वायरल बुखार से पी?ित लोगों को परेशानी दूर करने के लिए शहद के साथ सूखे अदरक और हल्दी का उपयोग करना चाहिए। अदरक स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी है। इसमें एंटी फ्लेमेबल, एंटीऑक्सिडेंट और वायरल बुखार के लक्षणों को कम करने के गुण होते हैं। पानी में दो मध्यम आकार के सूखे टुक? अदरक या सौंठ पाउडर को डालकर उबालें। दूसरे उबाल में अदरक के साथ थो?ी हल्दी, काली मिर्च, चीनी आदि को उबालें। इसे दिन में चार बार थो?ा-थो?ा पिएं। इससे वायरल बुखार में आराम मिलता है।

धनिये की चाय

धनिये के बीज शरीर को विटामिन देते हैं और प्रतिरक्षा प्रणाली को भी ब?ाते हैं। धनिये में मौजूद एंटीबायोटिक यौगिक वायरल संक्रमण से ल?ने की शक्ति देते हैं। इसके लिए पानी में एक ब?ा चम्मच धनिये के बीज डालकर उबाल लें। इसके बाद इसमें थो?ा दूध और चीनी मिलाएं। इसे पीने से वायरल बुखार में बहुत आराम मिलता है।

नींबू और शहद

नीबू का रस और शहद वायरल फीवर को कम करते हैं। शहद और नीबू के रस का सेवन भी कर सकते हैं।

सावधानियां

0 मरीज के शरीर पर सामान्य पानी की पट्टियां रखें। पट्टियां तब तक रखें, जब तक शरीर का तापमान कम न हो जाए।

0 मरीज को हर छह घंटे में पैरासिटामोल की एक गोली दे सकते हैं। दूसरी कोई गोली डॉक्टर से पूछे बिना न दें।

0 दो दिन तक बुखार ठीक न हो तो मरीज को डॉक्टर के पास जरूर ले जाएं।

0 रोगी को पर्याप्त मात्रा में ग्लूकोज और इलेक्ट्रोलाइट का सेवन करना चाहिए।

ताकि वायरल फीवर से बच सकें आप

तुलसी है रामबाण

यदि आपको वायरल बुखार से बचना है तो तुलसी का सेवन पूरे मानसून करना चाहिए। सुबह के समय एक कप चाय में तुलसी डालकर पीना चाहिए। इतना ही नहीं, तुलसी की पत्तियों को पानी में डालकर पीना भी फायदेमंद होता है।

अदरक की चाय

ब्लैक टी में अदरक का रस मिलाएं और एक चम्मच शहद डालें। हल्के गर्म पानी के साथ भी अदरक का रस ले सकते हैं। इससे गले को भी आराम मिलेगा और वायरल फीवर नहीं होगा। अगर वायरल फीवर दोबारा हुआ भी तो उससे जल्दी मुक्ति मिलेगी।

संतरे का करें इस्तेमाल

वायरल बुखार से बचने के लिए उस दौरान संतरे का जूस बहुत फायदा करता है। शरीर को मजबूती देने में संतरे का जूस बहुत फायदेमंद है। इम्यून सिस्टम बढ़ाने के लिए घर में ताजा संतरे का जूस निकालकर पिएं। इससे शरीर को किसी भी तरह के संक्रमण से ल?ने में मदद मिलती है।

लहसुन, पुदीना और सब्जियां

लहसुन को डाइट में शामिल करने से संक्रमण को जल्दी खत्म किया जा सकता है।

पुदीने के सेवन से भी इम्यून सिस्टम मजबूत होता है और बुखार में भी आराम मिलता है। इससे भी प्राकृतिक तरीके से संक्रमण के असर को खत्म किया जा सकता है।

Hardik badhai evam shubh kamnaye

vipin singh tomar (bhidosa) ko niyukt kiya gya hai.

akhil bhartiya kshatriya maha sabha dwara rashtriy pramukh mahamantri shri surendra singh tomar enam pradesh adhyaksh shivraj singh sikarwar or rashtriy upadhyaksh rajeev singh bhadoria (guddu) k ashirwead se uttar pradesh sangthan mantri

पथरी बढ़ाएगी परेशानी

जिन लोगों को पथरी की समस्या होती है उन्हें इसके बारे में शुरू में पता नहीं चल पता है। वहीं किडनी में जिन लोगों को पथरी होती है उन्हें तो इसके लक्षण के बारे में तब पता चलता है जब पथरी का आकार बढ़ने लगता है और यूरीन करने के दौरान मरीज को दिक्कत आने लगती है। किडनी की पथरी में अगर आप अपने रोजमर्रा के खाना पान का ध्यान रखते हैं और परहेज करते हैं तो आपकी दिक्कतें काफी हद तक दूर हो जाती हैं

पालक- पथरी के मरीज पालक से दूरी बना लें क्योंकि इसमें ऑक्सेलेट होता है जो कैल्शियम को जमा कर लेता है और यूरीन में नहीं जाने देता है। ऐसे में पथरी के मरीज अगर पालक खाते हैं तो उनकी स्थिति बिगड सकती है।

आवश्यकता है

12वीं पास ग्रेजुएट लड़कों की PAYTM-KYC के लिए। तुरंत सम्पर्क करें।

पताः पुरानी हाईकोर्ट
नियर सूर्या टॉवर 3 फ्लोर ग्वालियर म.प्र.
मोबाइल नं. 8319727958

आवश्यकता है

8, 10, 12वीं व ग्रेज्यूएशन लड़के-लड़कियों की आवश्यकता है। इच्छुक तुरंत सम्पर्क करें।

मोबाइल नं. 7771839100

श्रीलंका में टीम इंडिया का पलड़ा रहा है भारी, जीते हैं 38 में से 16 मैच

गाले, एजेंसी

भारत और श्रीलंका के बीच आगामी 26 जुलाई से टेस्ट सीरीज का पहला मैच गाले इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा। भारतीय टीम श्रीलंका में जमकर प्रैक्टिस कर रही है और उम्मीद है कि पिछली बार की तरह इस बार भी टीम सीरीज फतह करने में कामयाब रहेगी। आंकड़ों के लिहाज से देखें तो भारत का पलड़ा भारी नजर आता है। दोनों पड़ोसी देशों के बीच अब तक 38 टेस्ट मैच खेले जा चुके हैं, जिसमें से भारत ने 16 और श्रीलंका ने 7 टेस्ट जीते हैं। 15 मैच ड्रॉ रहे। दोनों देशों के बीच पहली बार साल 1982 में एक टेस्ट मैच खेला गया था, जो ड्रॉ रहा था।

इसके 3 साल बाद 1985 में दोनों देशों के बीच श्रीलंका में 3 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली गई, जिसके दो मैच ड्रॉ रहे और एक श्रीलंका ने जीता। यानी सीरीज श्रीलंका ने फतह कर ली। 1986/87 में भारत में सीरीज खेली गई, जिसमें मेजबान देश ने 2-0 से जीत हासिल की। एक मैच ड्रॉ रहा। इसके बाद 1990 में श्रीलंकाई टीम एक बार फिर भारत दौरे पर आई और उसे इस बार 1-0 से मात मिली। 1993 में भारतीय टीम श्रीलंका दौरे पर गई और उसे वहां 1-0 से जीत मिली। इसी साल दोनों देशों के बीच भारत में 3 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली गई, जिसे भारत ने 3-0 से जीत लिया। 1997 में भारत में हुई टेस्ट सीरीज के दोनों मैच ड्रॉ रहे।

इसके बाद इसी साल दोनों देशों के बीच श्रीलंका में टेस्ट श्रृंखला खेली गई, जिसके तीनों मैच ड्रॉ रहे। साल 1998/99 बेहद अहम था। इस साल एशियन टेस्ट चैम्पियनशिप खेली गई। इस सीरीज में भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच मुकाबले हुए और इस श्रृंखला को पाकिस्तान ने जीता था। इसके बाद 2001 में श्रीलंका दौरे पर गई टीम इंडिया को मेजबान देश ने 2-1 से करारी मात दी।2005-06 में एक बार फिर दोनों देशों की भारत में टेस्ट सीरीज में भिड़ंत हुई और भारत ने 3 मैचों की श्रृंखला 2-0 से जीत ली। 2008 में भारतीय टीम श्रीलंका गई और उसे 2-1 से मात मिली। इसके बाद 2009/10 में पड़ोसी टीम भारत आई और उसे मेजबान देश के हाथों 2-0 से करारी मात मिली। इसके बाद 2010 में श्रीलंका में खेली गई टेस्ट श्रृंखला ड्रॉ रही। इसके बाद श्रीलंका में 2015 में टेस्ट सीरीज खेली गई और भारत ने जीत का रास्ता साफ करते हुए श्रीलंका को 2-1 से करारी मात देकर सीरीज फतह कर ली।

नुवान, डी सिल्वा और पुष्पाकुमारा श्रीलंकाई टीम में शामिल

ऑलराउंडर धनंजय डी सिल्वा और तेज गेंदबाज नुवान प्रदीप की भारत के खिलाफ होने वाले पहले टेस्ट के लिए 15 सदस्यीय श्रीलंका टीम में वापसी हुई है। इसके अलावा बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज मलिंदा पुष्पाकुमारा को पहली बार टेस्ट टीम में चुना गया है। नए कप्तान दिनेश चंडीमल बीमारी के कारण पहला टेस्ट मैच नहीं खेलेंगे। उनकी जगह बाएं हाथ के स्पिनर रंगना हेराथ टीम की कमान संभालेंगे। चंडीमल की जगह डी सिल्वा को मौका मिला है। वहीं लक्षण संदकाना और दुशमंथा की जगह पुष्पाकुमारा और प्रदीप को टीम में शामिल किया गया है।

अमेरिकी ओपन खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बने प्रणॉय, रच दिया इतिहास

न्यूयॉर्क। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी एच.एस. प्रणॉय ने यहां जारी अमेरिकी ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट का खिताब जीत लिया। पुरुष एकल वर्ग के रविवार रात खेले गए फाइनल में प्रणॉय ने हमवतन परुपल्ली कश्यप को 21-15, 20-22, 21-12 से मात देकर खिताबी जीत हासिल की।इस टूर्नामेंट को जीतने वाले प्रणॉय पहले भारतीय खिलाड़ी हैं। उनसे पहले किसी भी अन्य भारतीय खिलाड़ी ने इस खिताब पर कब्जा नहीं जमाया था। यह प्रणॉय का पहला अमेरिकी ओपन खिताब है और उन्होंने इस जीत के साथ इतिहास रचा है।इसे पहले कश्यप ने शनिवार रात को खेले गए सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया के हियो क्वांग ही को एक घंटे 6 मिनट चले मुकाबले में 15-21, 21-15, 21-16 से हराया था।

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी कर सकते है बांग्लादेश दौरे का बहिष्कार

सिडनी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के साथ लंबे समय से चला आ रहा वेतन विवाद नहीं सुलझने पर ऑस्ट्रेलिया के सीनियर क्रिकेटरों ने अगले महीने होने वाले बांग्लादेश दौरे का बहिष्कार करने के पक्ष में फैसला किया है।

एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है।कप्तान स्टीव स्मिथ और उप कप्तान डेविड वार्नर ने ऑस्ट्रेलिया क्रिकेटर्स संघ (एसीए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एलेस्टेयर निकोलसन के साथ अज्ञात स्थान पर बैठक में हिस्सा लिया जिसमें पिछले हफ्ते सीए के साथ बातचीत विफल होने पर विकल्पों पर विचार किया गया।

ऑस्ट्रेलियाई समाचार पत्र ने कहा कि खिलाडियों ने कई विकल्पों पर चर्चा की जिसमें विशेष अनुबंधीय इंतजाम के तहत बांग्लादेश दौरे पर जाना शामिल है। लेकिन उन्होंने पिछली बैठक के प्रस्तावों पर अडिग रहने का फैसला किया और नए एमओयू के नहीं होने तक किसी दौरे में हिस्सा लेने से इनकार किया।

सीनियर जिला बैड़मिंटन चैम्पियनशिप आज से

इन्दौर । इन्दौर जिला बैड़मिंटन संगठन द्वारा आयोजित शंकरलाल स्मृति इन्दौर जिला सीनियर बैड़मिंटन चैम्पियनशिप मंगलवार 25 जुलाई को शाम 5 बजे से स्थानीय नेहरू स्टेडियम के बैड़मिंटन हॉल में खेली जायेगी। जिला संगठन के सचिव आर.पी.सिंह नैयर ने बताया कि स्पर्धा में पुरुष एकल वर्ग में अस्तित्व काले को प्रथम व ऑस्टिन नेथियल को द्वितीय वरीयता दी गयी है।

आस्ट्रेलिया में बेंडिगो क्लासिक के लिए पोज देती हुई प्रतियोगी।

खिताबी दौड़ में शामिल हुई अदिति

सिल्वेनिया । भारत की अदिति अशोक शानदार प्रदर्शन करते हुए एलपीजीए मैराथन क्लासिक गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त तीसरे स्थान पर पहुंचने के साथ ही खिताबी दौड़ में शामिल हो गई। अदिति ने तीसरे दौर में 3 अंडर 68 का कार्ड खेला। अदिति इसके साथ ही सत्र के तीसरे मेजर महिला ब्रिटिश ओपन गोल्फ के लिए क्वालीफाई करने की ओर है। वह पहली बार अपने करियर में खिताब की दौड़ में शामिल हुई है। अभी तक 11 टूर्नामेंट में से 8 में वह कट में जगह बनाने में सफल रही हैं पर अधिकतर समय 25वें से 30वें स्थान के बीच ही रही। उन्होंने तीसरे दौर के पहले 9 होल में इवन पार का स्कोर बनाया पर आखिरी 9 होल में 3 बर्डी करके 3 अंडर का स्कोर बनाने में सफल रहीं।

मैदान में उतरते ही अश्विन के नाम दर्ज होगी खास उपलब्धि

गाले। भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन श्रीलंका के खिलाफ गाले में बुधवार को शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच का हिस्सा बनते ही अपने टेस्टों का अर्धशतक लगाने की उपलब्धि हासिल कर लेंगे। उनका मानना है कि इस सफर ने उन्हें पहले से कहीं बेहतर और अनुभवी क्रिकेटर बना दिया है। 30 वर्षीय अश्विन ने अब तक 49 टेस्ट मैच खेले हैं और गाले में श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज का पहला मैच उनका 50वां टेस्ट मैच भी होगा। ऑफ स्पिनर ने इन मैचों में अब तक 25.22 के औसत से 275 विकेट निकाले हैं तथा 32.25 के औसत से 1903 रन बनाए हैं। अपने 50वें टेस्ट को लेकर उत्साहित दिख रहे अश्विन ने अपने टेस्ट सफर को लेकर कहा कि यह मेरा 50वां टेस्ट मैच होगा और पहले से लेकर 50वें मैच तक का सफर अच्छा रहा है ।

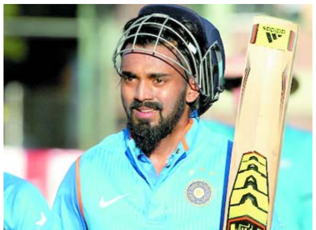

श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट से बाहर हुए राहुल

कोलंबो। टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज लोकेश राहुल 26 जुलाई से श्रीलंका के खिलाफ शुरु हो रहे पहले टेस्ट में नहीं खेलेंगे। राहुल अभी बुखार से पीड़ित हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) ने सोमवार को एक बयान जारी कर इस बात की जानकारी दी। पहला टेस्ट मैच 26 जुलाई से गॉल क्रिकेट मैदान पर खेला जाएगा। बीसीसीआई के अनुसार मेडिकल टीम ने राहुल के बीमार होने की पुष्टि की है हालांकि कोई बड़ी चिंता की बात नहीं है। वह तेजी से सुधार कर रहे हैं। मेडिकल टीम उनकी प्रगति से संतुष्ट है। इसके साथ ही इस बयान में कहा गया है कि, सावधानी बरतने के लिहाज से राहुल को आराम करने की सलाह दी गई है, इसलिए वह श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में नहीं खेलेंगे। राहुल ने पहले कहा था कि, मैं अब भी काफी नर्वस हूं। राहुल हाल ही में कंधे की चोट से वापसी करने के बाद टीम में जगह पाने में सफल हुए थे। उन्हें आस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में कंधे में चोट लग गई थी।

सोना उछला, चांदी की फीकी पड़ी चमक

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में दोनों कीमती धातुओं में रही गिरावट के बीच घरेलू बाजार में सर्राफा कारोबारियों की मांग निकलने से आज दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 160 रूपए चमककर 29,310 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। हालांकि, औद्योगिक निर्माताओं की मांग सुस्त पड़ने से चांदी 250 रूपए लुढ़ककर 39,100 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई।अंतरराष्ट्रीय बाजारों में दोनों कीमती धातुओं में गिरावट का रुख रहा। सोना

हाजिर 0.48 डॉलर फिसलकर 1,254.20 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। अगस्त का अमेरिकी सोना वायदा भी 0.60 डॉलर की गिरावट के साथ 1,254.30 डॉलर प्रति औंस बोला गया। इसी बीच चांदी हाजिर भी 0.02 डॉलर लुढ़ककर 16.43 डॉलर प्रति औंस बोली गई।बाजार विश्लेषकों ने बताया कि अमेरिकी बांड में गत दो सप्ताह के दौरान 16 आधार अंकों की गिरावट दर्ज की गई है जिसके दबाव में दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर 13 माह के निचले स्तर पर आ गया है। डॉलर के कमजोर पड़ने और घरेलू खुदरा मांग बढ़ने से स्थानीय सर्राफा बाजार में पीली धातु की चमक बढ़ी है। वैश्विक गिरावट के बावजूद डॉलर के कमजोर पड़ने से घरेलू बाजार में सोने की मांग में सुधार आया है।सोना स्टैंडर्ड लगातार दूसरे दिन की बढ़त बनाता हुआ 160 रुपए की चमककर 29,310 रुपए प्रति दस ग्राम बोला गया। सोना बिटुर भी इतनी ही तेजी के साथ 29,160 रुपये प्रति दस ग्राम पर पहुंचा। आठ ग्राम वाली गिन्नी हालांकि 24,400 रुपए पर अपरिवर्तित रही।

समाज में बदलाव ला रहे ग्वालियर के हेमंत निगम

पुष्पांजली टुडे संवाददाता

ग्वालियर। आईटी के क्षेत्र में अपना नाम कमाने वाले ग्वालियर के हिमंत निगम एक अच्छे व्यापारी होने के साथ साथ एक बेहद शानदार समाज सेवी भी है , हेमंत निगम जी मानवता ग्रुप , आनंदक ग्वालियर आदि अनेको संस्थाओ के बेहद एक्टिव सदस्य है , बच्चो की शिक्षा के लिए काम करना उनका मकसद है।

शिक्षा - Bsc + Computer diploma from NIIT

परिवार - मेरे दादा जी लेट श्री काली चरण निगम झाँसी मैं क्रान्तिकारी थे उन्हीं से मुझे प्रेरणा मिली थी वो हमेशा देश की सेवा के

लिये बोलते थे वो देश की अजादी के लिये 3 बार जेल गये , उस समय बहुत ग़रीब था हमारा परिवार !

झाँसी से 1983 मै ग्वालियर मै पिता जी का ट्रांसफर हो गया था वो रेलवे मै थे , मेरी शिक्षा शासकीय माध्यमिक विद्यालय से स्नातक तक हिन्दी मिडियम मै ही हुई !

1996 मैने अपनी कंपनी सनराइज सिस्टम्स की शुरूवात केवल 2000/- रूपये से की थी , बस फिर कभी पीछे मुड़कर नही देखा अपनी मेहनत और लगन से अपनी कंपनी एव विप्रो को अपने जिले मैं उचाईयो पर ले गया ! जिसका परिणाम द्वारा मुझे आईटी कंपनी विप्रो द्वारा मुझे Switzerland, France, Bangkok, Dubai, Hongcong , Mauritus , Moldives, भेजा गया ...

चूकी मेरी शिक्षा एक माध्यमिक विधयालय एव ग़रीब परीवार मै हुई इसलिये हर ग़रीब पढ़े आगे बढ़े और शिक्षा एव सुविधा जो मेरे पास है उसे मै जितने ज़्यादा से ज़्यादा ग़रीब वर्ग को देकर इस देश के लिये कुछ कर सकू वही मेरा सपना है !

जय हिन्द , जय भारत

स्वदेशी जैविक भूमि एवं कृषि संरक्षण समिति ने किया पर्यावरण वोर्ड का गठन

ग्वालियर

ग्वालियर में स्वदेशी जैविक भूमि एवं कृषि संरक्षण समिति के माध्यम से संचालित कार्यक्रम मिशन 100 करोड़ वृक्ष को गति देने व जन जन तक पहुचाने के लिए पर्यावरण वोर्ड का गठन किया गया जिस में सर्व सहमति से पद एवं का चयन किया गया जिस में संरक्षक - श्री एस एस भदौरिया जी

मार्गदर्शक

डॉ ऐ के जैन (वनस्पति विज्ञानं जीवाजी) ,श्री अशोक शर्मा (वरिष्ठ प्रवन्धक यूको बैंक), डॉ एस के सिंह जी (मर्दा वैज्ञनिक), श्री कौशल बुटोलिया (एक्स. वायु सेना अधिकारी)

प्रेरक शलाहकर:- श्री शैलेश कुशवाह जी, प्रभारी-श्री उमेश कुमार, सह प्रभारी श्री प्रीती झा, कार्यक्रम प्रभारी श्री रोहित उपाध्याय. संपर्क प्रभारी श्री विक्रांत जी ,श्री ऊष्मा माथे जी,श्री नरेश मिडिया प्रभारी श्री विपिन तोमर (पुष्पांजली टुडे) ,श्री रणवीर, वृक्ष निरीक्षण प्रभारी श्री शतीस रावत ,श्री विपिन, आज वोर्ड के नियम और कार्य तैय किये गये

और सभी पदाधिकारियों ने अपने अपने अनुभव् साजा किये द्वह्लद्ध यूनिवर्सिटी से बीएससी एग्रीकल्चर से छात्रो एवं पर्यावण प्रेमिओ ने भी भाग लिया अंत में संरक्षक श्री भदौरिया जी सभी का आभार व्यक्त किया और बधाई दी

हमारे वोर्ड से जुड़ने के लिए संपर्क करे

श्री रणवीर जी 9907766838

श्री रोहित जी 7898600800

विमल तोमर की पुण्य तिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन

ग्वालियर। टीम के सहयोग से विमल तोमर जी की पुण्य तिथि एवम शाहिद दिवस के अवसर पर एक रक्त दान शिविर का आयोजन किया जा रहा है जिसमे कई युवा वर्ग रक्तदान करेंगे जिससे कि रक्त की जरूरत पड़ने पर उसकी पूर्ति की जाये अत: आप सभी से निवेदन है कि आप भी सहयोग करे और अपनी भागीदारी भी निभाये

मानवता चप्पल बैंक ने बच्चों के साथ अब बुजुर्गों को भी ख़ुशी पहुचायी

मानवता ग्रुप ग्वालियर द्वारा देश की पहली चप्पल बैंक बनायीं गयी है। इस बैंक का उद्देश्य है की हर गरीब बच्चे के पैरो में चप्पल हो , महज़ 2 महीने के समय में यह बैंक 750 से जादा लोगो को चप्पल पहना चुकी है।

हळ ही में रविवार को मानवता चप्पल बैंक द्वारा नारयण वृद्धा आश्रम में रहने वाले करीब 40 से जादा बुजुर्ग लोगो को चप्पल भेंट की।

चापपाल पा कर सभी बुजुर्ग जन मुस्कुरा उठे और मानवता ग्रुप के कार्य की सराहना करने करते थक नही रहे थे ।

सिंधिया ने पहुँचाया नंदकुमार को कानूनी नोटिस

भोपाल(अर्पित गुप्ता)कांग्रेस सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भेजा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष नंद कुमार सिंह चौहान को कानूनी नोटिस। सोशल मीडिया पर भ्रामक जानकारी फैलाने का मामला। नंदकुमार चौहान ने अशोकनगर में ट्रामा सेंटर का उद्घाटन के मामले मे भाजपा विधायक मोहन लाल जाटव के जातिसूचक अपमान करने का आरोप लगाया था।

नोटिस में कहा गया है कि सिंधिया की छवि एक किसान और दलितों के साथ खड़े रहने वाले नेता की है। झूठे तथ्यों के आधार पर उनकी छवि को नुसकान पहुँचाया जा रहा है।

पुष्पांजली टुडे
राष्ट्रीय साप्ताहिक समाचार पत्र
को
ग्वालियर चम्बल संभाग में ब्यूरो/संवाददाताओं को नियुक्त करना है इच्छुक व्यक्ति तुरंत संपर्क करे।
अनिल राजपूत 9755837413
राजेश राठौर 7879337770
सामायिक विषय पर लेख फीचर सुझाव आमंत्रित है आप अपने महत्वपूर्ण विचार हमे इस पते पर प्रेसित करे।
E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com
Whatsapp No. 8269307478, 9826357883
कार्यालय - 304, रजनी गंधा काम्प्लेक्स मुरार रोड गोले का मदिर ग्वालियर (म.प्र.) 474005

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। कंचन ऑफसेट प्रेस-डी.ए.व्ही. स्कूल के सामने, नया बाजार, लश्कर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक-भरत सिंह चौहान। E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com मोबा.8269307478